आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–18 मार्च 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- बीस मार्च को जारी होगी लोकसभा चुनाव के पहले चरण की अधिसूचना। पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आठ संसदीय सीटों के लिये होगा चुनाव।
- घर बैठे वोट दे सकेंगे पचासी वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता। नामांकन के पांच दिन पहले तक निर्वाचन कार्यालय में करना होगा आवेदन।
- पन्द्रह से इकतीस मई के बीच होगी संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा। छब्बीस मार्च तक किये जा सकते हैं आवेदन।
- ब्रज में मची रंगोत्सव की धूम। कल खेल गयी लड्डू होली। आज होगा लट्ठमार होली का आयोजन।

****

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की अस्सी सीटों के लिये चुनाव सात चरणों में सम्पन्न कराये जायेंगे। प्रदेश में उन्नीस अप्रैल से लेकर एक जून तक विभिन्न चरणों में मतदान होगा। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण के निर्वाचन की अधिसूचना बीस मार्च को जारी होगी और उसी दिन से प्रथम चरण के निर्वाचन क्षेत्रों मे नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जायेगी। प्रथम चरण में आठ संसदीय क्षेत्रों सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में मतदान उन्नीस अप्रैल को होगा।

वहीं दूसरे चरण के निर्वाचन की अधिसूचना अट्ठाइस मार्च को जारी होगी । इस चरण में आठ लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। तीसरे चरण के निर्वाचन की अधिसूचना बारह अप्रैल को जारी होगी। इस चरण में दस लोकसभा सीटों के लिये मतदान होगा। चौथे चरण की तेरह सीटों पर चुनाव की अधिसूचना अट्ठारह अप्रैल को जारी होगी। वहीं पांचवें चरण में चौदह लोकसभा सीटों के लिए अधिसूचना छब्बीस अप्रैल को जारी होगी। छठे चरण के निर्वाचन की अधिसूचना उन्तीस अप्रैल को जारी होगी। इस चरण में चौदह लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। सातवें और अंतिम चरण की अधिसूचना सात मई को जारी होगी। इस चरण में तेरह लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। इन सभी चरणों मे अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जायेगी।

****

लोकसभा चुनाव के साथ ही उत्तर प्रदेश की चार रिक्त विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होगा। इसके लिये निर्वाचन आयोग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गयी है। शाहजहांपुर की ददरौल सीट पर चौथे चरण में तेरह मई को, लखनऊ पूर्व सीट के लिए पांचवें चरण में बीस मई को, बलरामपुर की गैसड़ी सीट पर छठे चरण में पच्चीस मई को और सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट पर सातवें चरण में एक जून को मतदान कराया जायेगा। मतगणना चार जून को होगी।

****

लोकसभा चुनाव दो हजार चौबीस में निर्वाचन आयोग ने बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिये नई पहल की है। आयोग के अनुसार पचासी वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं तथा चालीस प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर बैठे वोट देने की सुविधा दी जायेगी। इसके लिये नामांकन के पांच दिन पहले तक निर्वाचन कार्यालय में आवेदन करना होगा। इस व्यवस्था के तहत निर्वाचनकर्मी मतपत्र लेकर घर जायेंगे और वोट डलवायेंगे।

****

लोकसभा चुनावों को देखते हुए प्रशासनिक अमला जहां आदर्श चुनाव आचार संहित का अनुपालन कराने में जुटा है तो वहीं, शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न प्रकार के मतदाता जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग और एएन कॉलेज के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों ने कल चेहरे पर चित्रकारी कर मतदान का संदेश दिया। इस मौके पर टैटू के जरिये भी लोगों को मतदान का महत्व समझाया गया और लोकसभा चुनाव में वोट डालने की अपील की गयी। अमरोहा जिले में रमाबाई अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवायोजन के स्वयं सेवकों ने फोंदापुर में मतदान के महत्व विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को मतदान अवश्य करने के लिये प्रेरित किया।

****

प्रदेश में सूखे की मॉनिटरिंग के लिए विभिन्न जिलों की तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन की स्थापना की जाएगी। प्रमुख सचिव राजस्व पी. गुरूप्रसाद ने बताया कि पहले चरण में सूखे से ज्यादा प्रभावित रहने वाले प्रदेश के विभिन्न जिलों की सौ तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन की स्थापना की जाएगी। इसमें बुंदेलखंड के सात जिलों और सोनभद्र तथा मिर्जापुर को प्राथमिकता दी जाएगी। क्योंकि यहां पर हर साल सूखे की संभावना बनी रहती है। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रदेश के सभी जिलों की सभी तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन को स्थापित किया जायेगा, इसके लिये दस करोड़ रूपये की धनराशि जारी कर दी गई है। इस संबंध में राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से अपर जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

****

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा–स्नातक, सीयूईटी यूजी, पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार पंन्द्रह मई से इक्कतीस मई के बीच होगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी के चेयरमैन जगदीश कुमार ने कल घोषणा की कि लोकसभा चुनाव की तारिखों की वजह से इस परीक्षा के कार्यक्रम में कोई बदलाव नही किया जाएगा। उन्होने बताया कि परीक्षा मे शामिल होने

के लिए आवदेन भरने की अंतिम तिथि छब्बीस मार्च है इसके बाद परीक्षा के लिए पंजीकृत छात्रों की संख्या का पता चल पायेगा और संख्या के आधार पर ही परीक्षा के लिए समय सारिणी जारी की जाएगी। यूजीसी के चेयरमैन ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम की तिथियों के बीच कोई भी चुनाव नहीं होगा।

****

पूरी दुनिया में प्रसिद्ध ब्रज की होली का उत्सव कल से उत्साह और उमंग के बीच शुरू हो गया। ब्रज के रंगोत्सव का आनंद उठाने के लिये बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु मथुरा– वृन्दावन पहुंचे हैं। ब्रज के रंगोत्सव में कल मथुरा के बरसाना के प्रमुख श्रीजी मंदिर में बड़े धूमधाम से लड्डू होली खेली गई। बरसाना की लट्ठमार होली से ठीक एक दिन पहले खेली जाने वाली इस लड्डू होली का बृज में विशेष महत्व है। पेश है हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट...

बृज में लट्ठमार होली की परम्परा बेहद प्राचीन है और बरसाना को इसका केंद्र माना जाता है। बरसाने कीलट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है, इसके एक दिन पहले लड्डू होली खेली जाती है,इसका भी अपना पारम्परिक महत्व है। बरसाने की हुरियारिनों से होली खेलने के लिये नंदगाँव के हुरियारे आते हैं और इसके लिये एक दूत न्यौता देने नंदगाँव पहुंचता है, जो आज के दिन लौट कर बरसाना आता है। इस दूत को यहाँ पांडा कहा जाता है और जब ये पांडा लौटकर बरसाने के प्रमुख श्रीजी मंदिर में पहुंचता है, तो यहाँ मंदिर में सभी गोस्वामी इकठ्ठा होकर उसका स्वागत करते है और बधाई स्वरुप पांडा पर लड्डू फेंकते हैं। उसे गुलाल के साथ तोहफे दिये जातेहैं। उसके बाद मंदिर प्रांगण में मौजूद भक्त भी पांडा के ऊपर लड्डू फेंकते है। इस होली में शामिल होने के लिये देश के कोने–कोने सेभक्त बरसाना पहुँचे और लड्डू होली का आनंद उठाया। मोहम्मद उमर कुरैशी आकाशवाणी समाचार मथुरा।

कल मनायी गयी लड्डू होली के बाद आज बरसाना में विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली का आयोजन किया जायेगा। ब्रज के रंगोत्सव को लेकर पर्यटन विभाग की तरफ से पर्यटकों की सुविधा के लिये विशेष इंतजाम किये गये हैं।

****

प्रदेश में होली त्योहार को देखते हुए सभी सरकारी अस्पातालों में चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त रहेंगी। विशेष परिस्थिति में ही उनके अवकाश स्वीकृत किये जाएंगे। इस संबंध में प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थ सारणी सेन शर्मा ने तरफ से सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, अस्पतालों के निदेशकों और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को दिशा निर्देश जारी किया। प्रमुख सचिव ने सभी चिकित्सा इकाइयों को चौबीस घंटे सतर्क रहने और इमरजेंसी सेवाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने के निर्देश भी दिये हैं।

****

गोरखपुर के दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नियमित कक्षा वाले पाठ्यक्रम में प्रवेश न ले पाने वाले देश–विदेश के विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोर्स करने का अवसर देने की पहल की है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा केन्द्र की स्थापना की गयी है। नये सत्र से विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलने लगेगा। इस संबंध में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केन्द्र की स्थापना से उन विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा जो किन्ही कारणों से नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश नही ले पाते हैं।

****